VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ऑल इंडिया इंटरएक्टिव

हिंदी साहित्य

टेस्ट सीरीज 2025

प्रारंभ 1 जून

8 टेस्ट | 4 सेक्शन वाइज + 4 फुल लेंथ

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | राँची

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज

Vision IAS की मुख्य विशेषता है। प्रत्येक वर्ष हजारों छात्र अपने अंकों में सुधार के लिए **इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम™** पर आधारित Vision IAS टेस्ट सीरीज का लाभ उठाते हैं। हम टेस्ट सीरीज को बहुत ही गंभीरता से लेते हैं।

दृष्टिकोण और रणनीति:

हमारा सरल, व्यावहारिक और केंद्रित दृष्टिकोण अभ्यर्थियों को UPSC परीक्षा की मांग को प्रभावी ढंग से समझने में मदद करेगा। हमारी रणनीति निरंतर नवाचार करना है ताकि तैयारी प्रक्रिया को गतिशील बनाए रखा जा सके और मुख्य सक्षमता, समय व संसाधन की उपलब्धता तथा सिविल सेवा परीक्षा की आवश्यकता जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग अभ्यर्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सके। हमारा इंटरएक्टिव लर्निंग दृष्टिकोण (अभ्यर्थी विशेषज्ञों से ईमेल / टेलीफोनिक माध्यम से परामर्श ले सकते हैं) अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाएगा और उनकी तैयारी को सही दिशा प्रदान करने में सहायक होगा।

अभ्यर्थियों के अनुकूल:

हम अपने अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत शेड्यूलिंग की सुविधा भी देते हैं। वे अपनी परीक्षा की अध्ययन योजना के आधार पर अपनी परीक्षाएं पुनः शेड्यूल कर सकते हैं। इसके अलावा, अभ्यर्थी हमारे किसी भी केंद्र पर आकर परीक्षा दे सकते हैं या अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी स्थान पर परीक्षा दे सकते हैं, और मूल्यांकन के लिए अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड कर सकते हैं।

मॉक टेस्ट की संख्या:	मॉड्यूल संख्या	फी स्ट्रक्चर: कुल पाठ्यक्रम फीस (सभी करों सहित)
8	**3004**	**रु. 9000**
प्रकृति:	**अभ्यर्थियों के अनुकूल - मॉक टेस्ट की तिथि:** अभ्यर्थियों की मांग पर पुनर्निर्धारित की जा सकती है। **(अभ्यर्थी टेस्ट की निर्धारित तिथि के बाद भी टेस्ट दे सकते हैं, परंतु टेस्ट की तिथि से पूर्व नहीं दे सकते हैं)** अभ्यर्थी Vision IAS के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से टेस्ट पेपर और अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं।	

इस टेस्ट सीरीज में अभ्यर्थियों को क्या उपलब्ध कराया जाएगा:

- अभ्यर्थियों के प्रदर्शन विश्लेषण **(इनोवेटिव असेसमेंट प्रणाली)** के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड
- **समेकित प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका (8 मॉक टेस्ट: PDF फाइल्स)**
- विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका जिसमें उचित फीडबैक, टिप्पणियां और मार्गदर्शन प्रदान किए जाएंगे।
- मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर प्रारूप (संक्षिप्तसार)
- मॉक टेस्ट पेपर का विश्लेषण प्रश्नों की कठिनाई के स्तर और प्रकृति के आधार पर किया जाएगा।
- अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री

इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम:

मॉक टेस्ट पेपर्स की स्टैटिक और डायनामिक क्षमता (स्कोरिंग पोटेंशियल) का मूल्यांकन, अभ्यर्थियों के मैक्रो और माइक्रो प्रदर्शन का विश्लेषण, अनुभागवार (सेक्शन वाइज) विश्लेषण, कठिनाई स्तर का विश्लेषण, ऑल इंडिया रैंक, टॉपर्स के साथ तुलना, भौगोलिक विश्लेषण, एकीकृत स्कोर कार्ड, कठिनाई स्तर और प्रश्नों की प्रकृति इत्यादि के आधार पर मॉक टेस्ट पेपर्स का विश्लेषण।

नोट

- ऑनलाइन/दूरस्थ शिक्षा प्राप्त कर रहे अभ्यर्थी Vision IAS ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका और मॉक टेस्ट पेपरों का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) डाउनलोड कर सकते हैं।
- प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका, मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) नहीं भेजा जाएगा।
- अन्य आवश्यक सामग्री/संदर्भ सामग्री/सहायक सामग्री केवल पीडीएफ प्रारूप में प्रदान की जाएगी और उसे भेजा नहीं जाएगा।
- टेस्ट परिचर्चा से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के होम पेज पर दी जाएगी।

DISCLAIMER

- Vision IAS अध्ययन सामग्री केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए है। यदि कोई अभ्यर्थी Vision IAS अध्ययन सामग्री के कॉपीराइट के किसी भी उल्लंघन में संलिप्त पाया जाता है, तो ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी का टेस्ट सीरीज में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
- अभ्यर्थी को UPSC रोल नंबर और अन्य विवरण **registration@visionias.in** पर उपलब्ध कराने
- होंगे।
- हमारे पास **नकद में शुल्क भुगतान** की **कोई सुविधा नहीं है।**
- एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा और न ही
- हस्तांतरित किया जाएगा।
  VISION IAS प्रवेश से संबंधित सभी अधिकार सुरक्षित रखता है।
- VISION IAS को अधिकार है कि यदि आवश्यक हो, तो वह टेस्ट सीरीज के शेड्यूल/टेस्ट लेखन के दिन और समय इत्यादि में कोई भी बदलाव कर सकेगा।
  Vision IAS के परीक्षा केंद्र बृहस्पतिवार को टेस्ट लेखन के लिए बंद रहेंगे।

शेड्यूल, विषयवस्तु & संदर्भ स्रोत

टेस्ट संख्या (टेस्ट Code)	दिनांक	कवर किए जाने वाले टॉपिक	प्राथमिक संदर्भ सामग्री	अन्य संदर्भ सामग्री
टेस्ट 1 [3420]	1 जून, 2025	**हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास** अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। सिद्धनाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास। हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। हिन्दी की प्रमुख बोलियां और उनका परस्पर संबंध। नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएं और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।	हिन्दी भाषा की परंपरा और विकास - डॉ. राम प्रकाश हिन्दी भाषा का विकास - गोपाल राय हिन्दी : उद्भव विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी हिन्दी और उसकी विविध बोलियां - कैलाश तिवारी हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - अम्बा सुमन प्रसाद राजभाषा : स्वरूप एवं कार्यान्वयन - ई-ज्ञानकोष मानक हिन्दी और मानकीकरण की समस्या - ई-ज्ञानकोष	हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखक - प्रो. भोलानाथ तिवारी) हिन्दी भाषा का विकास - ई-ज्ञानकोष राजभाषा भारती (राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार)
टेस्ट 2 [3421]	15 जून, 2025	**हिन्दी साहित्य का इतिहास** हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा। **हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियां।** (क) आदिकाल: सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। (प्रमुख कवि : चंदबरदाई, खुसरो, हेमचंद्र, विद्यापति।) (ख) भक्ति काल: संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। (प्रमुख कवि: कबीर, जायसी, सूर और तुलसी।) (ग) रीतिकाल : रीतिकाव्य, रीतिबद्धकाव्य, रीतिमुक्त काव्य (प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद।) (घ) आधुनिक काल : क. नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल ख. प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। ग. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां। (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता।) प्रमुख कवि: मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर 'प्रसाद', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।	हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चुतर्वेदी हिन्दी साहित्य का इतिहास - संपादक - डॉ. नगेंद्र हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भक्ति- आंदोलन और भक्ति काव्य - शिवकुमार मिश्र भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय हिन्दी उपन्यास - रामचंद्र तिवारी हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार - डॉ. हरिमोहन	इग्नू के नोट्स (एम.ए. पाठ्यक्रम) हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखक - प्रो. भोलानाथ तिवारी) हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल, हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. रमेश खनेजा) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. विजया सती) गद्य विधाओं का उद्भव और विकास (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. रमेश खनेजा)

		कथा साहित्य क. उपन्यास और यर्थाथवाद ख. हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास ग. प्रमुख उपन्यासकार प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी घ. हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास ङ. प्रमुख कहानीकार प्रेमचन्द, जयशंकर 'प्रसाद,' सच्चिदानंद वात्स्यायन, 'अज्ञेय,' मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। **नाटक और रंगमंच** क. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास। ख. प्रमुख नाटककार: भारतेन्दु, जयशंकर 'प्रसाद,' जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। ग. हिन्दी रंगमंच का विकास। **आलोचना:** क. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी, आलोचना और नई समीक्षा। ख. प्रमुख आलोचक: रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। (ङ) हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं : ललित निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतान्त।		
टेस्ट 3 [3422]	**22 जून, 2025**	**पद्य साहित्य** 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) संपादक : श्याम सुन्दरदास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) 3. तुलसीदास: रामचरित मानस (सुंदर काण्ड) कवितावली (उत्तर काण्ड). 4. जायसी: पदमावत (सिंहलद्वीप खण्ड और नागमती वियोग खण्ड) संपादक : श्याम सुन्दरदास 5. बिहारी: बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे), संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकार 6. मैथिलीशरण गुप्त: भारत भारती 7. जयशंकर 'प्रसाद': कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) संपादक : राम विलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र 10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्य वीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।	कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी भ्रमरगीतसार (भूमिका) - आ. रामचंद्र शुक्ल जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - आ. रामचंद्र शुक्ल जायसी - विजयदेव नारायण साही तुलसी (संकलन) - उदयभानु सिंह लोकवादी तुलसी - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी बिहारी - रीति काव्य संग्रह - जगदीश गुप्त कामायनीः मूल्यांकन एवं पुनर्मूल्यांकन (संकलन) - इन्द्रनाथ मदान मैथलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य - कमलकांत पाठक कामायनी के अध्ययन की समस्याएं - डॉ. नगेन्द्र निराला और मुक्तिबोध - चार लम्बी कविताएं - नंद किशोर नवल निरालाः एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह मुक्तिबोध (संपादक) - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी कविता के नए प्रतिमान- डॉ. नामवर सिंह असाध्यवीणा और अज्ञेय (संकलन) - रमेश चंद्र शाह कविता का परिसर- रामेश्वर राय	**कबीर का काव्य** - ई-ज्ञानकोष मध्यकालीन काव्य (पद्मावत, तुलसी और सूरदास) - ई-ज्ञानकोष हिन्दी काव्य बिहारी - ई-ज्ञानकोष गोस्वामी तुलसीदास - आ. रामचंद्र शुक्ल प्रसाद, पंत और मैथलीशरण - रामधारी सिंह दिनकर

टेस्ट 4 [3423]	**29 जून, 2025**	**गद्य साहित्य** 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन 3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग- 1) (कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति)। 4. निबंध निलय: संपादक डा. सत्येन्द्र, बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राम विलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेर नाथ राय। 5. प्रेमचंद: गोदान, 'प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियां': संपादक अमृत राय 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त 7. यशपाल : दिव्या 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (संपादक) : एक दुनिया समानान्तर, (सभी कहानियां)	भारत दुर्दशाः कथ्य और शिल्प - डॉ. रेवती रमण राकेश के नाटक : कुछ अंतःसूत्र - जगदीश वर्मा आधुनिक नाटक का मसीहाः मोहन राकेश - गोविंद चातक गोदान का महत्त्व - डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र मैला आँचल - गोपाल राय स्कंदगुप्त- डॉ. सिद्धनाथ कुमार एक दुनिया समानांतर की भूमिका - राजेन्द्र यादव	ई-ज्ञानकोष पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री
टेस्ट 5 [3424]	**6 जुलाई, 2025**	**हिंदी साहित्य पेपर I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट -1)**		
टेस्ट 6 [3425]	**13 जुलाई, 2025**	**हिन्दी साहित्य पेपर II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट -2)**		
टेस्ट 7 [3426]	**20 जुलाई, 2025**	**हिंदी साहित्य पेपर I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट -3)**		
टेस्ट 8 [3427]	**27 जुलाई, 2025**	**हिन्दी साहित्य पेपर II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट-4)**		

फोकस:

उत्तर लेखन कौशल का विकास, उत्तर की संरचना एवं प्रस्तुतिकरण, उत्तर में तथ्यों, जानकारी और ज्ञान को प्रस्तुत करने के तरीके, विभिन्न प्रकार के प्रश्नों में UPSC की वास्तविक मांग (जैसे कि - की वर्ड्स, कॉन्टेक्स्ट और कंटेंट) को समझना तथा अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु (रणनीति एवं दृष्टिकोण) प्रश्नों को कैसे अटेम्प्ट किया जाना चाहिए, अपनी वर्तमान तैयारी और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझना तथा वास्तविक UPSC परीक्षा के पैटर्न, कठिनाई और समय-सीमा को समझने के लिए अपने मन को तैयार करना।

धारणा या दर्शन:

UPSC मुख्य परीक्षा का पैटर्न बहुत ही डायनामिक और अप्रत्याशित है। इसलिए मॉक टेस्ट पेपर UPSC के नवीनतम पैटर्न के आधार पर तैयार किए जाने चाहिए।

UPSC मानदंड:

UPSC निर्देशों के अनुसार लिखित आईएएस परीक्षा में अभ्यर्थी के प्रदर्शन के आकलन के लिए मानदंड:

"मुख्य परीक्षा का उद्देश्य केवल अभ्यर्थियों की जानकारी और याद रखने की बजाय उनकी समग्र बौद्धिक

कार्यप्रणाली:

उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन की कार्यप्रणाली: हमारे विशेषज्ञ UPSC के क्षेत्र में अपने अनुभव का उपयोग करते हुए निम्नलिखित संकेतकों पर अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन संकेतक
1. संदर्भ संबंधी क्षमता
2. विषय-वस्तु संबंधी क्षमता
3. भाषा संबंधी क्षमता
4. भूमिका संबंधी क्षमता
5. संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता
6. निष्कर्ष संबंधी क्षमता
अंक

स्कोर: स्केल: 1- 5:

5	4	3	2	1
अति उत्कृष्ट	उत्कृष्ट	अच्छा	औसत	खराब

- प्रश्नों की प्रकृति और विशेषज्ञ के UPSC अनुभव के आधार पर प्रत्येक मूल्यांकन संकेतक के भारांश पर उचित विचार के बाद प्रश्न में कुल अंक प्रदान किए जाते हैं।
- किसी भी प्रश्न के लिए प्रत्येक संकेतक का स्कोर अभ्यर्थी के योग्यता संबंधी प्रदर्शन (प्रश्न की गुणवत्ता के स्तर और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझने के लिए) को उजागर करेगा।

डिज़ाइन की गई निम्नलिखित क्षमताओं की मूलभूत समझ:

प्रसंग संबंधी क्षमता:

- प्रश्न की मुख्य मांग/विषयवस्तु को समझना अर्थात प्रश्न के संदर्भ की व्यापक समझ विकसित करना। साथ ही, प्रश्न में प्रयोग किए गए 'की वर्ड्स' और 'टेल वर्ड्स' पर ध्यान केंद्रित करके उत्तर को सुव्यवस्थित करना। टेल वर्ड्स जैसे स्पष्ट कीजिए, व्याख्या कीजिए, टिप्पणी कीजिए, परिक्षण कीजिए, समालोचनात्मक परिक्षण कीजिए, चर्चा कीजिए, विश्लेषण कीजिए, समझाइए, समीक्षा कीजिए, तर्क प्रस्तुत कीजिए, औचित्य सिद्ध कीजिए आदि।

विषय-वस्तु संबंधी क्षमता:

- प्रश्न के प्रसंग संबंधी समझ और प्रवाह के अनुसार उत्तर लिखना तथा तदनुसार उदाहरणों, तथ्यों, आंकड़ों, तर्कों, आलोचनात्मक विश्लेषण आदि के माध्यम से उसे प्रमाणित करना।

भाषा संबंधी क्षमता:

- उचित वाक्य निर्माण और सरल अभिव्यक्ति में विषय-वस्तु को व्यवस्थित करना।
- शब्द सीमा बनाए रखने और प्रश्न को समय पर पूरा करने के लिए तकनीकी शब्दों का उचित और सही उपयोग करना।

भूमिका संबंधी क्षमता:

- पृष्ठभूमि, डेटा, संबंधित समसामयिक समाचार आदि देकर उत्तर को आरंभ करने के लिए प्रभावी और प्रासंगिक शुरुआत की आवश्यकता है।

संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता:

- उत्तर में अपेक्षित कनेक्टिविटी और प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रश्न के विभिन्न भागों के अनुसार सामग्री को व्यवस्थित करना।
  उत्तर सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए हैडिंग और सब-हैडिंग, बुलेट पॉइंट्स, फ्लोचार्ट, आरेख आदि का उपयोग करना।

निष्कर्ष संबंधी क्षमता:

- आगे की राह, नवीन समाधान सुझाते हुए, विभिन्न विचारों/परिप्रेक्ष्यों को संतुलित तरीके से शामिल करते हुए, निष्कर्ष सहित उत्तर को समाप्त करना।

Heartiest

Congratulations

to all Successful Candidates

10 in **TOP 10** Selections in **CSE 2024** from various programs of **Vision IAS**

1 AIR

Shakti Dubey

2 AIR

Harshita Goyal

3 AIR

Dongre Archit Parag

4 AIR

Shah Margi Chirag

5 AIR

Aakash Garg

6 AIR

Komal Punia

7 AIR

Aayushi Bansal

8 AIR

Raj Krishna Jha

9 AIR

Aditya Vikram Agarwal

10 AIR

Mayank Tripathi

हिंदी माध्यम में 25+ चयन CSE 2024 में

137 AIR

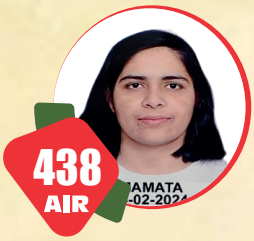

Ankita Kanti

182 AIR

Ravi Raaz

438 AIR

Mamata

448 AIR

Sukh Ram

509 AIR

Amit Kumar Yadav

DELHI

HEAD OFFICE
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call: +91 8468022022, +91 9019066066

enquiry@visionias.in | /@visioniashindi | /visionias.upsc | /vision_ias_hindi/ | /hindi_visionias

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची